दीप ज्योति

क्रिया

शब्द

नाम

वर्ण

स्त्रीलिंग

संज्ञा

हिंदी व्याकरण

सर्वनाम

लिंग

भाग 3

वचन

अशोक लव

एम. ए., बी. एड.

(लेखक एवं शिक्षाविद्)

पूर्व हिंदी-संस्कृत विभागाध्यक्ष

द एयर फ़ोर्स स्कूल सुब्रोतो पार्क

नई दिल्ली–110010

₹170.00

विलोम

प्रकाशक:

एवरशाइन पब्लिशर्ज़
नांगल राया, नई दिल्ली-110046
फोन : 28111758, 28113958
Fax : 28112353
E-mail : evershinepub@gmail.com

© सर्वाधिकार सुरक्षित

प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस पुस्तक के किसी भी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटोप्रतिलिपि, रिकार्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुनः प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।

डिज़ाईन और टाइपसैटिंग:
रेड रीफ डिज़ाइन स्टूडियो, दिल्ली

भूमिका

प्रत्येक भाषा के ज्ञान के लिए उसके व्याकरण का ज्ञान होना अत्यंत आवश्यक होता है। व्याकरण द्वारा ही भाषा के शुद्ध प्रयोग का ज्ञान आता है। भाषा के मौखिक और लिखित दोनों रूपों के व्यावहारिक शुद्ध प्रयोग व्याकरण द्वारा ही किया जा सकता है। हिंदी विश्व की दूसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। यह भारत के एक कोने से दूसरे कोने तक बोली जाती है। इसलिए इसे भारत की संपर्क भाषा भी कहा जाता है। यह राष्ट्रभाषा और राजभाषा तो है ही। इस दृष्टि से प्रत्येक भारतवासी के लिए हिंदी का ज्ञान आवश्यक हो जाता है और व्यवहार में प्रयोग करने के लिए इसके व्याकरण का ज्ञान भी आवश्यक है।

व्याकरण की यह श्रृंखला प्राथमिक कक्षाओं के लिए तैयार की गई है। इसे विद्यालयों में प्रवेश लेने वाले नन्हें शिशुओं से लेकर पाँचवी कक्षा के विद्यार्थियों को दृष्टिगत रखते हुए तैयार किया गया है। इसकी भाषा सरल है। उदाहरणों और गतिविधियों के माध्यम से व्याकरण नियमों को रूचिकर बनाया गया है। अभ्यास के लिए पर्याप्त प्रश्न दिए गए हैं। सतत् मूल्यांकन के लिए मौखिक और लिखित दोनों प्रकार के प्रश्न दिए गए हैं। बहुविकल्पी प्रश्नों द्वारा विद्यार्थियों की चयन-क्षमता के मूल्यांकन के लिए प्रश्न दिए गए हैं।

पर्यायवाची, विलोम, समरूपी भिन्नार्थक, उपसर्ग, प्रत्यय, मुहावरे-लोकोक्तियाँ आदि पर्याप्त संख्या में दिए गए हैं।

व्याकरण के प्रत्येक नियम को उदाहरणों द्वारा 'करके सीखने' की पद्धति को दृष्टिगत रखकर समझाया गया है। इनसे विद्यार्थियों की सीखने की रूचि बढ़ती है।

अध्यापक-अध्यापिकाएँ विद्यार्थियों को प्रत्येक विषय का ज्ञान प्रदान करते हैं। यह व्याकरण- श्रृंखला हिंदी भाषा के ज्ञान प्रदान करने में उनकी सहायक होगी, ऐसा हमारा विश्वास है। तीस वर्षों तक हिंदी शिक्षण से संबद्ध रहने के कारण हमने इस श्रृंखला को व्यावहारिक रूप प्रदान करने का प्रयास किया है। एन० सी० ई० आर० टी० द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार 'दीप-ज्योति' व्याकरण श्रृंखला समस्त विद्यालयों के लिए अत्यंत उपयोगी है।

–अशोक लव

अनुक्रमाणिका

	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	भाषा (LANGUAGE)	5
2.	वर्णमाला (ALPHABET)	7
3.	मात्राएँ (VOWEL SYMBOLS)	10
4.	नाम शब्द-संज्ञा (NOUN)	13
5.	लिंग (GENDER)	17
6.	वचन (NUMBER)	21
7.	नाम की जगह-सर्वनाम (PRONOUN)	25
8.	कैसा, कितना-विशेषण (ADJECTIVE)	28
	मूल्यांकन–1	33
9.	करना या होना-क्रिया (VERB)	34
10.	विराम चिह्न (PUNCTUATION MARK)	37
11.	शब्द-भंडार (VOCABULARY)	39
12.	मुहावरे (IDIOMS)	46
13.	रचनात्मक गतिविधियाँ (CREATIVE ACTIVITIES)	48
	मूल्यांकन–2	64

1. भाषा (LANGUAGE)

हम बोलकर या लिखकर अपनी बात दूसरों को बताते हैं। हम सुनकर या पढ़कर दूसरों की बात समझते हैं। यह काम हम भाषा की सहायता से करते हैं।

इस तरह - भाषा विचारों के आदान-प्रदान का साधन है।

बच्चा सबसे पहले परिवार में सुनकर और बोलकर भाषा सीखता है। इसे भाषा का मौखिक रूप कहते हैं। कुछ बड़ा होकर वह पढ़ना और लिखना सीखता है। इसे भाषा का लिखित रूप कहते हैं।

भारत में अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं। हिंदी भारत में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। यह भारत की राष्ट्रभाषा है।

भाषा को लिखने के लिए जिन संकेतों का प्रयोग होता है, उसे लिपि कहते हैं। हिंदी की लिपि देवनागरी है।

ध्यान दो

- ★ भाषा विचारों के आदान-प्रदान का साधन है।
- ★ भाषा के दो रूप हैं- मौखिक और लिखित।
- ★ हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा है।
- ★ हिंदी की लिपि देवनागरी है।

अभ्यास

1. सही उत्तर पर ✓ लगाओ:

(क) विचारों के आदान-प्रदान के साधन को .... कहते हैं।

भाषा ☐ ध्वनि ☐ संकेत ☐

(ख) भाषा के .... रूप को बच्चे परिवार में सीखते हैं।

लिखित ☐ मौखिक ☐ सांकेतिक ☐

(ग) भारत की राष्ट्रभाषा .... है।

अंग्रेज़ी ☐ हिंदी ☐ उर्दू ☐

2. कोष्ठक में सही शब्द पर ✓ लगाओ:

(क) भाषा के लिखित रूप को हम (परिवार / विद्यालय) में सीखते हैं।

(ख) (अंग्रेज़ी / हिंदी) भारत में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है।

(ग) हिंदी की लिपि (रोमन / देवनागरी) है।

(घ) पशु-पक्षियों के मुख से निकली आवाज़ (ध्वनि / भाषा) है।

3. उत्तर दो:

(क) भाषा का क्या काम है?

(ख) भाषा किस तरह हमारी सहायता करती है?

करो और सीखो

नीचे दिए गए बाईं ओर के वर्गों में भारत की कुछ भाषाओं के नाम छिपे हैं तथा दाईं ओर के वर्गों में विदेशी भाषाओं के। खाली जगहों को भरकर इन्हें पूरा करो।